आकाशवाणी
देहरादून (उत्तराखण्ड)

सोमवार 09.06.2025 समय 1305

मुख्य समाचार :–

- प्रदेश के 30 स्थानों पर लगीं ट्रॉलियों की जगह जल्द ही पुलों का निर्माण किया जाएगा।
- देहरादून में लगभग 5 हजार 500 किलोवाट क्षमता के सोलर प्लांट लगाए जाएंगे। एक लाख से ज्यादा स्ट्रीट लाइटें, सौर ऊर्जा से संचालित होंगी।
- विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत ऊधमसिंह नगर जिले में गोष्ठियों का आयोजन, किसानों को कृषि की नई तकनीकों की जानकारी दी गई।
- चारधाम यात्रा, स्वयं सहायता समूहों के कारोबार को नई ऊंचाइयां दे रही है। गंगोत्री और यमुनोत्री मार्ग पर स्वयं सहायता समूहों ने लगभग 47 लाख रुपये का कारोबार किया।

ट्रॉली मुक्त उत्तराखंड

ट्रॉली मुक्त उत्तराखंड बनाने के लिए लोक निर्माण विभाग ने प्रस्ताव तैयार किया है। इस संबंध में विभागीय सचिव पंकज कुमार पांडे ने कहा कि पहाड़ों में बारिश के समय कई बार पुल टूट जाते हैं। ऐसे में लोगों के अवागमन के लिए अस्थायी व्यवस्था के तहत ट्रॉली लगाई जाती हैं। लेकिन इसमें भी लोगों को असुविधा का सामना करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि इसे देखते हुए पिछले साल पूरे प्रदेश में जितनी ट्रॉली हैं, उनको हटाकर अन्य बेहतर इंतजाम करने के प्रयास किया गया था। इसी क्रम में प्रदेश के 30 स्थानों पर खासकर पिथौरागढ़, उत्तरकाशी और चमोली जिलों में ऐसी ट्रॉलियां चिन्हित की गई हैं, जिनके स्थान पर जल्द ही पुलों का निर्माण किया जाएगा।

सौर ऊर्जा देहरादून

देहरादून नगर निगम, राजधानी की गलियों को सौर ऊर्जा से जगमगाने की योजना पर काम कर रहा है। इस योजना के तहत लगभग 5 हजार 500 किलोवाट क्षमता के सोलर प्लांट लगाए जाएंगे, जिससे शहर की एक लाख से ज्यादा स्ट्रीट लाइटें, सौर ऊर्जा से संचालित हो सकेंगी। निगम के मेयर सौरभ थपलियाल का कहना है कि यह योजना न सिर्फ पर्यावरण के लिए फायदेमंद होगी, बल्कि निगम की जमीनों का भी बेहतर उपयोग किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम देहरादून को सौर ऊर्जा की दिशा में आगे ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस पहल से नगर निगम को हर साल लगभग 10 करोड़ रुपये की बचत होगी, जो अभी स्ट्रीट लाइटों के बिजली बिल में खर्च होते हैं। साथ ही निगम की बिजली विभाग पर निर्भरता भी कम होगी और शहर पर्यावरण की दिशा में एक नई मिसाल पेश करेगा।

विकसित कृषि संकल्प अभियान

विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत ऊधमसिंह नगर जिले में गदरपुर ब्लॉक के अलखदेवी, बराखेड़ा और सकैनिया में गोष्ठियों का आयोजन किया गया। इस दौरान कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को कृषि की नई तकनीकों और सरकार की योजनाओं की जानकारी दी। साथ ही कृषि, पशुपालन, मछली पालन, मुर्गी पालन, बागवानी आदि से संबंधित शंकाओं का समाधान भी किया। कृषि विज्ञान केंद्र, काशीपुर के वैज्ञानिक डॉ शिव कुमार शर्मा ने बताया कि विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत मुख्य रूप से छोटी जोत के किसानों ने अपनी समस्याओं को रखा। उन्होंने बताया कि लघु और मध्यम वर्ग के किसानों को पशुपालन, मुर्गी पालन और मत्स्य विभाग की योजनाओं के बारे में बताया गया जो, छोटी जोत के किसानों के लिए अधिक प्रभावी हैं। ग्राम प्रधान भावना अरोड़ा ने बताया कि किसानों को खेती की नई तकनीकों की जानकारी नहीं होती है और इस कार्यक्रम के जरिए किसान जागरूक हो रहे हैं।

चारधाम स्थानीय उत्पाद

चारधाम यात्रा, स्वयं सहायता समूहों के कारोबार को नई ऊंचाइयां दे रही है। एक माह के यात्रा सीजन में स्वयं सहायता समूहों ने स्थानीय उत्पादों की बिक्री कर करीब 47 लाख रुपये का कारोबार किया है। इन समूहों की ओर से गंगोत्री और यमुनोत्री मार्ग पर पहाड़ी दालें, अनाज, पिस्यूं लूण, गढ़भोज सहित कुल्हड़ चाय आदि उत्पादों की बिक्री की जा रही है, जिसे तीर्थयात्री खासा पंसद कर खूब खरीदारी कर रहे हैं। ग्रामीण उद्यम वेग वृद्धि परियोजना– रीप और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन – एनआरएलएम के माध्यम से गंगोत्री और यमुनोत्री राजमार्ग पर करीब 20 से अधिक स्वयं सहायता समूह अपने आउटलेट्स का संचालन कर रहे हैं। गंगोत्री राजमार्ग पर नगुण, वीरपुर डुंडा, बड़ेथी, चिन्याली बाजार, हीना पार्किंग, मनेरी झरने, चड़ेथी, गंगनानी, सुक्की व धराली और गंगोत्री धाम में दस से अधिक आउटलेट्स खोले गए हैं। वहीं, यमुनोत्री मार्ग पर ब्रह्मखाल, तुनाल्का, दोवाटा, खरादी, कुथनौर, जानकीचट्टी और यमुनोत्री धाम में स्थानीय उत्पादों के आउटलेट संचालित किए जा रहे हैं। अधिकांश आउटलेट्स पर ग्रामीण महिलाएं सेब और माल्टे से तैयार जूस, जैम, जैली, चटनी, मसाले, दाले, मंडुवे के विस्कुट आदि उत्पाद बेच रही हैं। साथ ही पहाड़ी भोजन लाल चावल, राजमा की दाल, मंडुवे की रोटी आदि गढ़भोज भी परोस रही हैं। रीप के जिला परियोजना अधिकारी कपिल उपाध्याय का कहना है कि इन स्थानीय उत्पादों को तीर्थयात्री खासा पसंद कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि हीना पार्किंग, दोबाटा और मनेरी झरने पर स्थानीय उत्पादों की खरीदारी के लिए तीर्थयात्रियों की खासी भीड़ उमड़ रही है।

चारधाम स्वास्थ्य सुविधाएं

चारधाम यात्रा में इस बार श्रद्धालुओं की आस्था के साथ ही उनके स्वास्थ्य और सुरक्षा को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। सरकार और स्वास्थ्य विभाग ने संभावित स्वास्थ्य जोखिमों को ध्यान में रखते हुए इस बार स्वास्थ्य सेवाओं को त्रिस्तरीय स्तर पर सशक्त बनाया गया है। स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने बताया कि अब तक 5 लाख से अधिक श्रद्धालुओं की स्वास्थ्य जांच की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार प्रत्येक श्रद्धालु की सुरक्षा और स्वास्थ्य सुनिश्चित करना, राज्य सरकार की प्राथमिकता है। इसके लिए सरकार तकनीक, विशेषज्ञता और मानव संसाधन तीनों पर समांतर रूप से कार्य कर रहे हैं।

रुद्रप्रयाग, चमोली और उत्तरकाशी में इस बार 49 स्थायी स्वास्थ्य केंद्र और 20 मेडिकल रिलीफ पोस्ट को सक्रिय किया गया है। वहीं ट्रांजिट जिलों– हरिद्वार, देहरादून, टिहरी और पौड़ी में भी मजबूत स्वास्थ्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। इस वर्ष चारधाम यात्रा में 31 विशेषज्ञ डॉक्टर, 200 स्वास्थ्य अधिकारी, 381 पैरा–मेडिकल स्टाफ यात्रा मार्ग पर तैनात किए गए हैं। इसी तरह केदारनाथ धाम में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए एक 17 बेड का नया अस्पताल भी सेवा में लाया गया है।